अव्यक्त पालना का रिटर्न

फास्ट पुरुषार्थी आत्माओं का स्वरूप

1 फास्ट पुरूषार्थ करने वालों की सूरत और सीरत बाप–समान सदा रूहानी नजर आती है।

2 सिवाय रूहानियत के अन्य कोई भी संकल्प व स्मृति नहीं रहती, अर्थात् बाप द्वारा प्राप्त हुई सर्व शक्तियाँ स्वरूप में दिखाई देती हैं।

3 उनकी हर नजर में हर आत्मा को 'नजर से निहाल' करने की रूहानियत दिखाई देगी।

27.01.76

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न :- मीठे बाबा, 'नज़र से निहाल करना' ऐसी श्रेष्ठ स्टेज प्राप्त करने के लिए क्या बात याद रखनी है?

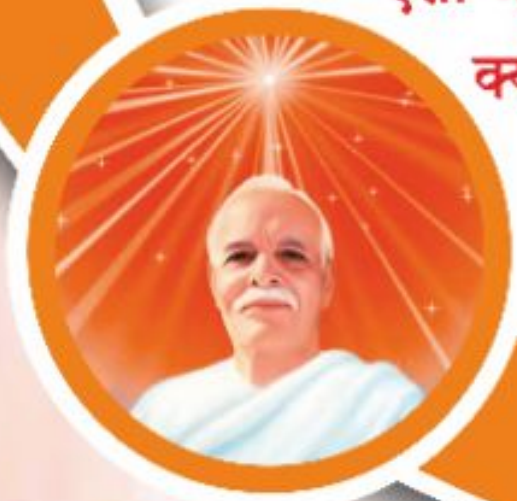

उत्तर :- मीठे बच्चे, ऐसी श्रेष्ठ स्टेज प्राप्त करने के लिए सदैव दो बातें याद रखो।

एक - स्वयं को अकालमूर्त्त समझो,

दूसरे - स्वयं को सदा 'त्रिकालदर्शी-मूर्त्त' समझो।

निराकारी स्टेज में - अकालतख्त-नशीन, अकालमूर्त्त हैं;

साकार कर्मयोगी की स्टेज में - त्रिकालदर्शी मूर्त्त त्रिमूर्ति बाप के तख्त-नशीन। हर संकल्प को स्वरूप में लाने से पहले यह दोनों बातें चेक करो।

27.01.76

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

बाबा, एवर हेल्दी, वेल्दी और हैप्पी आत्माओं के द्वारा, दु:खी आत्माओं को क्या अनुभव होंगे?

बापदादा :-

मीठे बच्चे,

❶ ऐसे हर्षितमुख रहने वाली आत्मा के हर संकल्प के वायब्रेशन्स् द्वारा, एक सेकेण्ड की रूहानी नज़र द्वारा, एक सेकेण्ड के सम्पर्क द्वारा, मुख के एक बोल द्वारा दु:खी व गम में रहने वाली आत्मा अपने को सुखी व खुशी का अनुभव करेगी।

❷ जैसे प्रजा अपने योग्य राजा को देख खुश हो जाती है, ऐसे एवर हेल्दी, वेल्दी और हैप्पी आत्मा को देख कैसी भी दु:खी आत्मा सुख का अनुभव करेगी।

❸ अप्राप्त आत्मा दाता को देख प्राप्ति की खुशी में झूमने लगेगी।

27.01.76

फास्ट पुरुषार्थी आत्माओं का स्वरूप कैसा दिखाई देता है?

27-1-76
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु

1) फास्ट पुरुषार्थ करने वालों की सुरत और सीरत बाप-समान सदा रूहानी नजर आती है

2) सिवाय रूहानियत के अन्य कोई भी संकल्प व स्मृति नहीं रहती अर्थात् बाप द्वारा प्राप्त हुई सर्व शक्तियाँ स्वरूप में दिखाई देती है

3) उनकी हर नजर में हर आत्मा को नजर से निहाल करने की रूहानियत दिखाई देगी

27-01-76 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं एवर हेल्दी-वेल्दी-हैप्पी आत्मा हूँ।

Healthy Wealthy Happy

एवर हेल्दी-वेल्दी-हैप्पी अर्थात् सदा अकालमूर्त्त, त्रिकालदर्शी-मूर्त्त। सर्व प्राप्तियों द्वारा सर्व आत्माओं को सम्पन्न बनाने वाली, महादानी।

09-12-75

महावीर अर्थात् विशेष आत्माओं की विशेषताएं

संगठित रूप से सबकी स्थिति की संकल्प रूपी अंगुली एक होने से ही सिद्धि होगी।

महारथी अर्थात् महावीरों का संगठन

वर्तमान समय विशेष आत्माओं की विशेषता यह होनी चाहिए जो एक ही समय सबकी एक-रस, एक-टिक स्थिति हो।

सामना करने की शक्ति ब्राह्मण परिवार के आगे नहीं, माया के आगे यूज़ करनी है। परिवार मे सामना करने की शक्ति यूज़ करने में संगठन पावरफुल नहीं होता।